



अग्रते इष्टते जनवृत् हैं, तो
जनीन वाले आपका कुछ
नहीं बिंगड़ सकते।

वर्ष 39

चंडीगढ़, शनिवार, 27 जुलाई, 2024

श्रावण कृष्ण पक्ष: सप्तमी विक्रमी संवत्-2081

www.arthparkash.com

YouTube/Arth Parkash TV

अंक: 207

मूल्य 2.00 रुपये

पृष्ठ 12

दैनिक खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान अर्थ प्रकाश

पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • दिल्ली • उत्तराखण्ड • बिहार • उत्तरप्रदेश • राजस्थान से प्रसारित

सुबल वाणी



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना
सच्ची सहेली
आयुर्वेदिक टॉनिक और टेबलेट्स
कठिन समस्याओं में अति सहायक है।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



विशेष समस्याओं के लिए

मरोसेमंद टॉनिकHelps in:
कठिन दर्द चिड़चिड़ापन थकान
कमज़ोरी कमर कटना इम्यूनिटी

Clinically Tested*



पाकिस्तान ने पिछली हार से नहीं लिया सबक : पीएम मोदी

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

श्रीनगर, 26 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान को 'आतंकवाद का आका' करते हुए शुक्रवार को कहा कि पड़ोसी देश ने पिछली हार और गलतियों से कोई सबक नहीं सीखा है और वह 'आतंकवाद और छद्म युद्ध' की मदद से खुद को प्रासारिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। पीएम मोदी, द्वारा में 25वें कारगिल युद्ध दिवस पर 1999 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान शहीद हुए सैनियों को श्रद्धांजलि देने के बाद जनसभा को सभापति कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अतीत में अपने सभी अनेकों और शर्मनाक प्रयासों के लिए हार का समाना करना पड़ा है।

पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर में बढ़ते आतंकवादी हमलों का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि वह (पाकिस्तान) अतीत में हीरोशा विफल रहा है लेकिन उसके अपने इसके से कुछ नहीं सीखा है। वह आतंकवाद और छद्म युद्ध की मदद से खुद को प्रासारिक बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। आज जब मैं ऐसी जगह से बोल रहा हूं, जहां



जम्मू-कश्मीर एक नए भविष्य की बात कर रहा है

प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने के बारे में बोलते हुए कहा कि कुछ ही दिनों में, पाच अगस्त को अनुच्छेद 370 को समाप्त हो पांच साल हो जाएगा। जम्मू-कश्मीर एक नए भविष्य की बात कर रहा है, बड़े सामनों की बात कर रहा है।

आतंक के आका मेरी आवाज संघर्ष सुन सकते हैं, जाएगा।

प्रधानमंत्री ने 1999 के कारगिल युद्ध के बारे में आतंकवाद के इन संरक्षकों को बताना चाहता है, तो मैं आतंकवाद के इन संरक्षकों को बताना चाहता हूं। वह आतंकवाद को कभी सफल नहीं होगा। हमारे बहुत जबान पूरी तरह से आतंकवाद को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं, भारत उस

सेना ने अग्निपथ का लक्ष्य सेना को युवा और युद्ध के लिए फिट रखना प्रधानमंत्री ने अग्निपथ योग्या को लेकर काग्रेस और उनके सहयोगी दर्दों पर निशाना साधते हुए कहा कि क्षेत्र के लक्ष्य सेना में अग्निपथ का लक्ष्य सेना को युवा और युद्ध के लिए फिट रखना है। काग्रेस पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लाग सारते थे कि सेना का मतलब नेताओं को संसाधी देना और परेड करना है, लेकिन उन्होंने लिए सेना का मतलब 140 करोड़ देशवासियों की अस्था है। पीएम मोदी ने कहा कि अग्निपथ का लक्ष्य सेना को युवा बनाये रखना है, सेना का लक्ष्य हमला युद्ध के लिए फिट रखना है। कुछ योग से कुछ लोगों ने राष्ट्रीय सुधा से जुटे ऐसे सेनादारों ने युद्ध को राजनीति के घोटाले होना दिया है। ये वही लोग हैं जिन्होंने हजारों करोड़ के घोटाले होना दिया है। ये वही लोग हैं जो चाहते थे कि भारतीय वायुसेना को कमी आधुनिक लड़ाकू विमान न गिरते। ये वही लोग हैं जिन्होंने तेजस लड़ाकू विमान को खत्म करने की तैयारी कर ली थी। सच्चाई यह है कि अग्निपथ योग्या देश को मजबूत करेंगी।

शहीद सैनियों को दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री ने द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर पूजायात्रियों की पहला विषयों को श्रद्धांजलि देने वाले लोगों को युवा और युद्ध के लिए फिट रखना है। कारगिल के उत्तरांतर में शुरूग योग्योजना का पहला विषय मन्या जा रहा है। गोरतलव है कि 1999 में पाकिस्तानी सैनियों और आतंकवादीयों ने राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर नजर रखने के लिए नियंत्रण रेखा (एनजीआर) के पास दरास से बाहरिक रूप से ताकिर तक की ओरियों पर करना कर लिया था। भारतीय योग्य सेना के साथ मिलकर एक बड़ा अधिकायान चाहता और 74 दिन की लड़ाई के बाद सेना अपने क्षेत्रों में कामयाब रही। अधिकायान अंकों के ऊपर 527 भारतीय वाहाहत हुए थे। इस जीत के बाद से सेना 26 जुलाई को विजय दिवस के रूप में मनाती रही है। जिसका मुख्य समाप्ति द्वारा दास में आयोजित किया जाता है।

समय शांति की कोशिश कर रहा था और बदले में दियावा लेकिन सत्य के सामने झूट और आतंक की पाकिस्तान ने एक बार फिर अपना कुटिल चेहरा

पंजाब के राज्यपाल और यूटी के प्रशासक का सीएम भगवंत मान पर तंज सीएम को मैं पसंद नहीं, इसलिए दिया था इस्तीफा : पुरोहित

कहा- मुझे किसी से बोट नहीं चाहिए, मैं कई बार चुनाव लड़कर जीता

अर्थ प्रकाश/ साजन शर्मा

राज्यपाल की घोषणा: पंजाब के जिस गांव में नथा खत्म होगा, उसे गवर्नर फंड से तीन लाख रुपए दिए जाएंगे



नेहे हाथ में कोई कान हो तो मैं उसे जरूर करता हूं

पुरोहित के लिए कहा कि लोगों ने हमसे कहा था कि सीसीटीवी लगावाए जाएं। हमने लोगों की राय के अनुसार कोरेंट लगावाए। पंजाब में अपने के बाद मैं कई बार बता चुका हूं कि मैं करीब 8 बार चुनाव लड़ा हूं और 5 बार चुनाव जीता चुका हूं। मेरी जीत का रिझल्ट 40 प्रतिशत है। हार से याद जीत प्रतिशत है। हार से मैं हमज 2-3 प्रतिशत ही ऊपर नीचे रहा हूं। मैं चुनाव न लड़ने का एकान्वयन किया था। तो मुझे बुनाया गया था। जिसके बाद मैंने हार कर दी क्योंकि गवर्नर बराह योग्य माया जीके लिए राजनीति का कोई काम नहीं है। मैं बायर गवर्नर बराह सबसे मिलता हूं हर पार्टी से मिलता हूं। मेरे लायक जो भी काम होता है तो मैं उसे तुरंत कर देता हूं। फिरावाल मैं थोड़ा रोकने की कोशिश कर रहा हूं। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछे इन सारों से ऐसा काम हम नहीं कर पाए।

सरकार 20-21 जून को विधानसभा का सेसेल सेसन बुलाकर पंजाब यूनिवर्सिटी कानून संशोधन वित्त 2023 लेकर आई थी लेकिन पिछ्ले दिनों गट्टप्रति द्वायां मुझे ने इसे खारिज कर दिया था। विधानसभा से बिल पास होकर आया तो गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित ने बिल गट्टप्रति के बायर गवर्नर बराह योग्य माया जीके लिए राजनीति को बेज़ दिया। बिल के तहत गवर्नर की 12 स्टेट यूनिवर्सिटी के चांसलर की शक्ति गवर्नर से लेकर अधिकायान की शक्ति गवर्नर से लेकर मुख्यमंत्री की थी थी। इसलिए फिरावाल मैं थोड़ा रोकने की कोशिश कर रहा हूं। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछे इन सारों से ऐसा काम हम नहीं कर पाए।

बनवारी लाल पुरोहित ने कहा कि विधानसभा का सेसेल सेसन बुलाकर पंजाब यूनिवर्सिटी कानून संशोधन वित्त 2023 लेकर आई थी लेकिन पिछ्ले दिनों गट्टप्रति द्वायां मुझे ने इसे खारिज कर दिया था। विधानसभा से बिल पास होकर आया तो गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित ने बिल गट्टप्रति के बायर गवर्नर बराह योग्य माया जीके लिए राजनीति को बेज़ दिया। बिल के तहत गवर्नर की 12 स्टेट यूनिवर्सिटी के चांसलर की शक्ति गवर्नर से लेकर मुख्यमंत्री की थी थी। इसलिए फिरावाल मैं थोड़ा रोकने की कोशिश कर रहा हूं। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछे इन सारों से ऐसा काम हम नहीं कर पाए।

विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने भरी हुंकार

कहा- हमने जीजा, भटीजों को नौकरी नहीं दी, 17 टोल बंद किए, जनता का पैसा बचाया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बरवाला/डब्बावाली। आम आदमी पार्टी विधानसभा चुनाव को लेकर जोर शेर से चुनावी पैदावार में उत्तर चुकी है। शुक्रवार को पंजाब में हरियाणा में बरवाला और डब्बावाली से बरवाल जनसंवाद रही की। आम आदमी पार्टी अगले 10 दिन हरियाणा को एक मौका देता है। इस पैकेप भगवंत मान ने विधानसभा साथे हुए कहा कि हरियाणा में आम आदमी पार्टी को एक मौका देता

Punjab Land of
Unlimited Opportunities

हर एक की हुई तरक्की भगवंत सिंह मान की पंजाब सरकार की गारंटी पक्की

भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब



एस.सी. विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक
छात्रवृत्ति योजना तहत ₹ 225.60 करोड़ जारी



आशीर्वाद स्कीम के तहत 38,179 अनुसूचित
जाति के लाभार्थियों को ₹ 193.77 करोड़ जारी



एस.सी. पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना
के तहत 2017-20 तक की बकाया
राशि के लिए ₹ 366.00 करोड़ जारी



एस.सी. विद्यार्थियों को मुफ्त पाठ्य
पुस्तकें, कुल ₹ 165.00 करोड़
की राशि जारी



पिछड़े/आर्थिक रूप से कमज़ोर
वर्ग के 18,510 लाभार्थियों को
₹ 94.22 करोड़ जारी



स्व-रोज़गार योजनाओं के तहत
38 लाभार्थियों को ₹ 0.79 करोड़
का ऋण वितरित

हिमाचल में मनाया कारगिल विजय दिवस

शहदत देने वाले 52 वीर सपूत्रों को किया याद देवभूमि के वीरों ने दिखाया था 'पहाड़' जैसा शौर्य



अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। हिमाचल के सभी जिलों में आज कारगिल विजय दिवस मनाया गया। इस दैरान देश की रक्षा करते करते प्रणालों का बलिदान देने वाले वीर सपूत्रों को जाह-जगह श्रद्धांजलि दी गई। राज्य स्तरीय कार्यक्रम शिमला के

गेयटी थियेटर में आयोजित गया। यहां पर स्वास्थ्य एवं सैनिक कल्याण विभाग मंत्री कर्नल धनी राम शाडिल ने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। आपको बता दें कि 25 मई से 26 जुलाई 1999 की बीच पाकिस्तान के साथ हुए स्वास्थ्य मंत्री सपूत्रों को जाह-जगह श्रद्धांजलि दी गई।

नंडी के शहीद स्मारक पर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए पूर्व सीएम जयराम ठाकुर

इस युद्ध के दौरान परमवीर चक्र विजेता कैफ्टन विक्रम बत्रा की दृष्टि से पाकिस्तानी सेना घाया जाती थी। 1 जून 1999 की उनकी टुकड़ी को कारगिल युद्ध में भेजा गया। हांप और रोकी नेव खानों पर विजय प्राप्त करने के बाद उसी समय विक्रम को कैफ्टन बना दिया गया। इसके बाद श्रीनगर-लेह मार्गी की सबसे महत्वपूर्ण 5140 घोटी को पाकिस्तानी सेना से मुक्त करने की जिम्मेदारी कैफ्टन विक्रम बत्रा को दी गई।

परमवीर चक्र विजेता कैफ्टन विक्रम बत्रा

दुर्गम क्षेत्र होने के बादजूद विक्रम बत्रा ने अपने साथियों के साथ 20 जून 1999 को सुखद 3.30 बजे 5140 घोटी पर कब्जा कर लिया। जब विक्रम बत्रा ने इस घोटी से रेडियो के जरिए ये दिल मारों मोर कहकर अपनी जीत की घोषणा की तो उनका नाम सेना में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में माझार हो गया।

देश के 527 वीर सपूत्रों में से 52

देवभूमि द्विमात्र देश के थे। यही कारण है कि हिमाचल के देवभूमि के साथ-साथ वीरभूमि भी कहा जाता है। शिमला के गेयटी थियेटर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। इसके बाद देश के 52 वीर सपूत्रों को जाह-जगह श्रद्धांजलि दी गई।

कारगिल युद्ध में सेना के सौर्योच्च सम्मान 2 परमवीर चक्र सतत कई चक्र हिमाचल के बीचों के कंधों पर सुरक्षित हैं। कैफ्टन विक्रम बत्रा (मरणोपरांत) और राफलमैन संजय कुमार को परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। इस युद्ध में शहीद होने वालों में कोंगड़ि जिले के 15, मंडी के

मुख्यमंत्री ने कारगिल विजय दिवस पर शूरीदों को किया नमन



कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखिंदिंग सिंह सुखुम ने अपने सदेश में कारगिल के शहीदों की शहदत को नमन किया। उन्होंने कारगिल शहीदों की वीरता और सर्वोच्च बलिदान के स्मरण करते हुए उन शूरीदों के पूर्ण समर्पण वाले द्वारा देश की रक्षा कर रहे सशस्त्र बलों के अवसर पर माझार भूमि की रक्षा के लिए।

कहा कि हम सभी को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर माझार भूमि की रक्षा के लिए उन्होंने देश की शूरीदों को जाह-जगह दिवस के साथ लोक लेते हुए हिमाचल के 52 खानांकुरों ने अपने सर्वोच्च बलिदान दिया और राष्ट्र उनके बलिदान को सदैव याद रखेगा।

सैनिक और उनके परिवार का सम्मान हम सबका दायित्व : जयराम ठाकुर

कहा: मात्र इसी नहीं सबको साथ लेकर आदरणा से हों ऐसे कारबंग



अर्थ प्रकाश /राजन पुंछी

मंडी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की कार्यक्रम विजय दिवस के मौके पर मंडी में भाजपुरा की ओर से आयोजित शहीद सम्मान समारोह में भाग लिया। समारोह में उन्होंने पूर्व सैनिकों एवं शहीद जिलों के सम्मानित भी किया। इससे पूर्व उन्होंने इंदिरा मार्किंट के शहीद स्मारक पहुंचवाल कारगिल युद्ध के महानायक वीर सपूत्रों को सम्मानित किया।

देवभूमि के इस सपूत्र को 15

दिन तक बद्री बनाकर अमानवीय यातनाएं दी गई। कारगिल युद्ध में शहीद होने वालों में कोंगड़ि जिले के 15, मंडी के

को पाकिस्तानी सैनिकों ने 15 दिन

तक बद्री बनाकर रखा था।

इस दैरान उन्हें कई अमानवीय यातनाएं दी गई और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

को पाकिस्तानी सैनिकों ने 15 दिन

तक बद्री बनाकर रखा था।

इस दैरान उन्हें कई अमानवीय यातनाएं दी गई और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके उन्होंने कहा कि प्रभारी ने आयोजित शहीद सम्मान समारोह में भाग लिया। समारोह में उन्होंने पूर्व सैनिकों एवं शहीद जिलों के सम्मानित भी किया। इससे पूर्व उन्होंने इंदिरा मार्किंट के शहीद स्मारक पहुंचवाल कारगिल युद्ध के महानायक वीर सपूत्रों को सम्मानित किया।

देवभूमि के इस सपूत्र को 15

दिन तक बद्री बनाकर अमानवीय यातनाएं दी गई। कारगिल युद्ध में शहीद होने वालों में कोंगड़ि जिले के 15, मंडी के

को पाकिस्तानी सैनिकों ने 15 दिन

तक बद्री बनाकर रखा था।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सदैव याद रखेगा।

इस मौके पर मंडी और अपना पहला वेतन लेने से पहले ही वे शहीद हो गए। शहदत के समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। आज पूरे देश ने इनकी शानदार बलिदान को सद

